वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 172 | बुधवार 16 अक्टूबर 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

सिंगापुर निवेशक रोड शो से "राइजिंग राजस्थान" ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के लिए बना माहौल

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राठौड़ के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर को ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के लिए 'पार्टनर कंट्री' बनने के लिए किया आमंत्रित

पीएसए होराइजन्स, सुरबाना जुरोंग, सेम्बकॉर्प, मैपलट्री, एसटी इंजीनियरिंग, एसटी टेलीमीडिया ग्लोबल डेटा सेंटर जैसी सिंगापुर की कंपनियों ने राजस्थान में कारोबार करने में रुचि दिखायी

जयपुर. कासं

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में राजस्थान सरकार के एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के हाल के सिंगापुर दौरे से ''राइजिंग राजस्थान'' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024 के लिए उचित माहौल बनाने में काफी मदद मिली है। सिंगापुर के इस दौरे में राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने वहां इन्वेस्टर रोड शो में भाग लिया और वैश्विक स्तर पर पहचान रखने वाली सिंगापुर की कई बड़ी कंपनियों से मुलाकात की। इनमें से कई कंपनियों ने राज्य सरकार के साथ आपसी सहयोग बढ़ाने, राजस्थान में व्यापार के अवसरों की जानकारी लेने और प्रदेश में कारोबार करने के प्रति इच्छा जतायी। इनमें सिंगापुर की कुछ प्रमुख कंपनियां जैसे कि सेम्बकॉर्प, पीएसए होराइजन्स, सुरबाना जुरोंग, एसटी इंजीनियरिंग, एसटी टेलीमीडिया, मैपलट्री इन्वेस्टमेंट्स आदि शामिल हैं। इनमें से कुछ कंपनियों ने उद्योग और वाणिज्य मंत्री कर्नल राठौड़ के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल से नीमराणा स्थित जापानी निवेश क्षेत्र की तर्ज पर सिंगापुर की कंपनियों के लिए एक विशेष निवेश या औद्योगिक क्षेत्र स्थापित करने का भी अनुरोध किया। राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल की इस 4-दिवसीय सिंगापुर यात्रा में उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री के अलावा, मुख्य सचिव सुधांश पंत, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ और राजस्थान सरकार के अन्य अधिकारी शामिल थे। इसके अलावा, प्रतिनिधिमंडल के संग सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अम्बुले ने भी इन्वेस्टर रोड शो और कई अन्य बैठकों में हिस्सा लिया। सिंगापुर की इस यात्रा के दौरान शहरी विकास, यूटीलिटीज और अक्षय ऊर्जा की वहां की एक प्रमुख वैश्विक कंपनी सेम्बकॉर्प के साथ एक मुलाकात में राज्य सरकार के इस प्रतिनिधिमंडल ने कंपनी के अधिकारियों को राजस्थान में उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी और उनसे प्रदेश में निवेश के लिए आग्रह किया। इस मुलाकात के दौरान सेम्बकॉर्प के अधिकारियों ने राजस्थान में व्यावसायिक अवसरों की जानकारी लेते हुए प्रदेश में निवेश करने की इच्छा जतायी। इसी तरह की एक अन्य मुलाकात में, लॉजिस्टिक क्षेत्र की अग्रणी कंपनी पीएसए होराइजन्स ने राज्य में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) और इनलैंड कंटेनर डिपो (आईसीडी) विकसित करने का इरादा व्यक्त किया। वहीं सिंगापुर की अग्रणी इंजीनियरिंग और शहरी विकास कंसल्टेंसी कंपनी सुरबाना जुरोंग ने राजस्थान में औद्योगिक पार्कों के आगामी विकास के लिए कंसल्टेंसी सेवाएं देने में रुचि दिखायी।इसके अलावा, प्रतिनिधिमंडल ने बालोतरा में बन रहे राजस्थान पेट्रो जोन में निवेश के लिए जुरोंग आइलैंड पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स के अधिकारियों के साथ चर्चा की, जबकि एक अन्य मुलाकात में एसटी इंजीनियरिंग और एसटी टेलीमीडिया ग्लोबल डेटा सेंटर के प्रतिनिधियों ने राज्य में नए व्यावसायिक अवसरों के प्रति रुचि दिखाई। एसटी इंजीनियरिंग के अधिकारी एविएशन एमआरओ जैसे क्षेत्रों में निवेश के लिए उत्सुक थे, वहीं एसटी टेलीमीडिया ग्लोबल डेटा सेंटर जयपुर में एक को-लोकेशन डेटा सेंटर स्थापित करना चाहता है।

सिंगापुर सरकार के कई स्टेकहोल्डर्स के साथ भी बैठकें कीं

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राठौड़ के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने अपनी यात्रा के दौरान वहां की निजी कंपनियों के साथ-साथ सिंगापुर सरकार के कई स्टेकहोल्डर्स के साथ भी बैठकें कीं। इनमें सिंगापुर सरकार के जनशक्ति मंत्री और व्यापार और उद्योग के सेकेंड मिनिस्टर डॉ. टैन सी लेंग और विदेश मामलों की वरिष्ठ राज्य मंत्री सुसिम एन जैसे गणमान्य लोग प्रमुख हैं। इन बैठकों के दौरान राज्य सरकार की ओर से सिंगापुर को आगामी ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के "पार्टनर कंट्री" के रूप में भाग लेने के लिए भी आमंत्रित किया गया और उनसे राज्य में सिंगापुर के निवेश को बढ़ाने के लिए उनके सहयोग की अपेक्षा व्यक्त की गयी। राजस्थान के शहरों में हो रहे बदलाव के मद्देनजर उनका सस्टेनेबल विकास राज्य सरकार के एजेंडे में सर्वोच्च प्राथमिकता पर है और इसको ध्यान में रखते हुए प्रतिनिधिमंडल ने सिंगापुर सरकार की कई ऐसी एजेंसियों और संस्थाओं के साथ बातचीत की, जो अपने इनोवेशन और तकनीकी विशेषज्ञता के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। इसमें एंटरप्राइज सिंगापुर, सिंगापुर टूरिज्म बोर्ड, अर्बन रिडेवलपमेंट अथॉरिटी (यूआरए), पब्लिक यूटिलिटीज बोर्ड (पीयूबी), लैंड ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (एलटीए), जेटीसी कॉरपोरेशन जैसों के साथ हुईं बैठकें शामिल थीं।

जैन सोश्यल ग्रुप्स इन्ट. फैडरेशन नार्दन रीजन
के तत्वावधान में
जैन सोश्यल ग्रुप महानगर
प्रस्तुत करते हैं
JSG
Jain Social Groups
ISO 20121:2012
भगवान महावीर की 1008 दीपकों से महाआरती
लक्की ड्रा
डांडिया पुरस्कार
आकर्षक बम्पर हाऊजी
22वां
दीपोत्सव
डांडिया 2024
JKJ JEWELLERS
डीजे डांडिया धमाल
चटपटे स्वादिष्ट व्यंजन
NO PLASTIC FOOD ZONE
रविवार, 20 अक्टूबर 2024, सायं 4 बजे से 10 बजे तक
स्थान : महावीर स्कूल प्रांगण, सी-स्कीम, जयपुर
Kasera KIDS Fashion Show
Entry from Pass only
मुख्य प्रायोजक
JKJ JEWELLERS
प्रायोजक
ARL
CHART GROUP
cityvibes
SHREE RAM GROUP
SOGANI JEWELLERS
फैशन शो मुख्य प्रायोजक
Shree Kasera Tent & Event
फैशन शो प्रायोजक
JK MASALE
हाऊजी प्रायोजक
KESHAV
सहयोगी संस्थाएं: जेएसजी ग्लोरी, मैट्रो, हैरिटेज, वीनस, राजधानी, राजस्थान जैन युवा महासभा, डीजेएसजी सन्मति, अखिल भारतीय दिगम्बर जैन युवा परिषद संभाग मानसरोवर

LET'S BUILD
A BETTER
TOMORROW!
25+ Years of Trust
ARL
अंकुर
AEROTUFF
अंकुर
SPECTA
https://www.facebook.com/ARLInfratech https://www.youtube.com/c/ARLInfratechltd www.arlinfratech.com

CHART GROUP
Jai SAGAR CITY
Kings Residency
Bringing your dreams home...
Balaji ENCLAVE
Many More is Awaited......

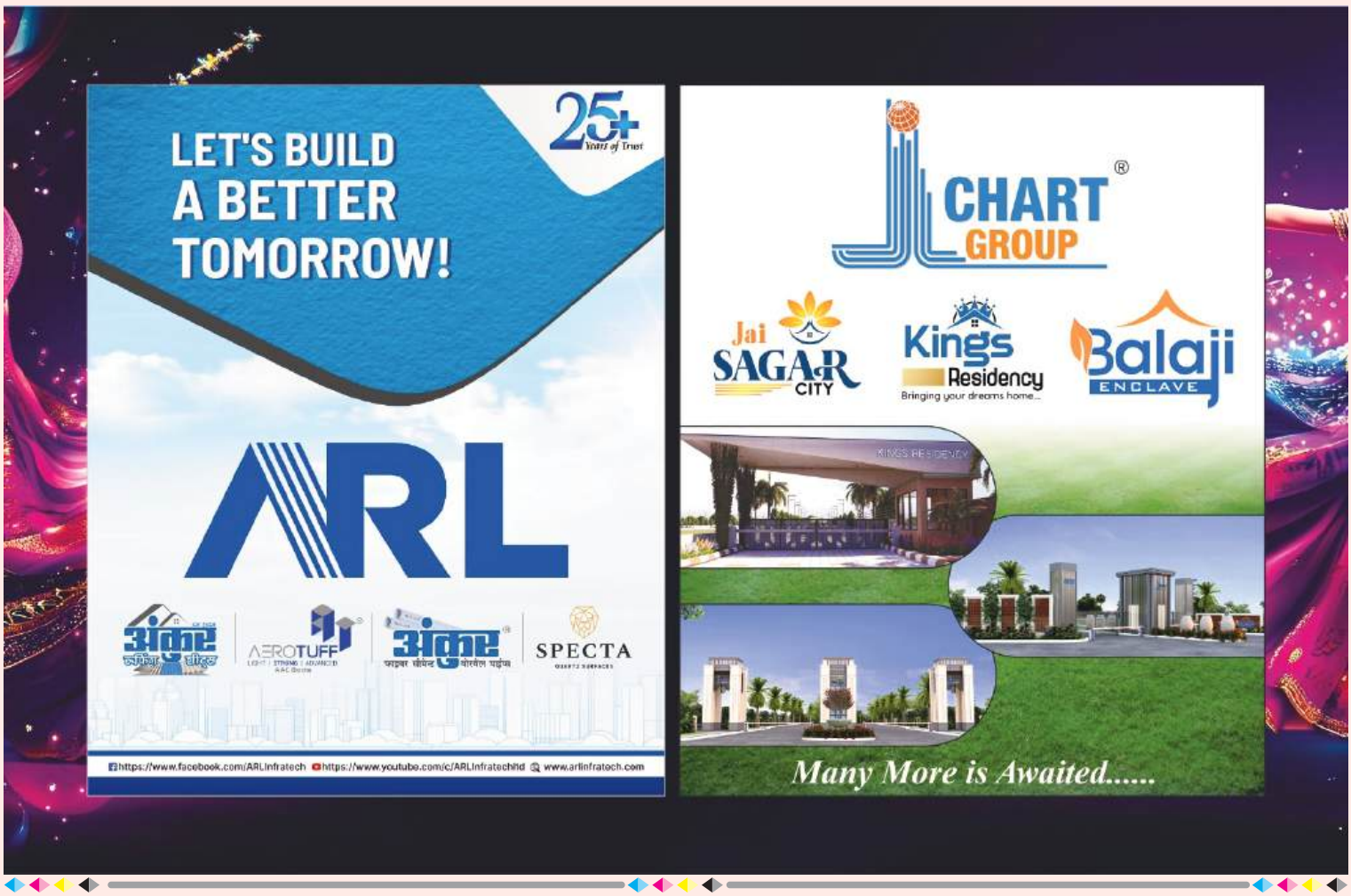

॥ श्री पार्श्वनाथाय नमः॥

अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान

राजस्थान प्रांत

प.पू. अभिक्ष्ण ज्ञानोपयोगी, वात्सल्य मूर्ति आचार्य श्री 108 वसुनन्दी महामुनिराज के आशीर्वाद

एवं

उपाध्याय श्री 108 वृषभानन्द जी मुनिराज ससंघ के पावन सानिध्य में

पावन आशीर्वाद

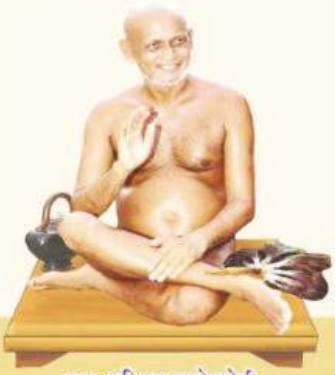

प.पू. अभिक्ष्ण ज्ञानोपयोगी
आचार्य श्री 108 वसुनन्दी महामुनिराज

प.पू. श्वेतपिच्छाचार्य
श्री 108 विद्यानन्दजी मुनिराज

पावन सानिध्य

प.पू. वाचना प्रमुख वात्सल्य मूर्ति
उपाध्याय 108 श्री वृषभानन्द जी मुनिराज

पावन प्रेरणा
एवं निर्देशन

प.पू. आर्यिकारत्न 105
श्री वर्धस्वनंदनी माताजी

स्थान

श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
थड़ी मार्केट, सेक्टर-10, मानसरोवर, जयपुर
दिनांक 20 अक्टूबर2024 ,
समय - दोपहर 01.15 से

वात्सल्य आमंत्रण

आयोजक : अखिल भारतवर्षीय धर्म जागृति संस्थान प्रांत-राजस्थान

निवेदक : श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन समिति,

से. 11 अग्रवाल फार्म मानसरोवर, जयपुर

सम्पर्क सूत्र : 9314517649, 9414049272, 9351302142, 9314024888

वेद ज्ञान

संतुलित भोजन अच्छे स्वास्थ्य की पहली आवश्यकता

स्वस्थ रहने का प्रसन्न रहने से सीधा-सीधा संबंध है जो केवल उपयुक्त खाने-पीने तक से संभव नहीं है। यद्यपि पर्याप्त और संतुलित भोजन अच्छे स्वास्थ्य की पहली आवश्यकता है फिर भी कुछ बातें ऐसी भी हैं जो भोजन से परे हैं। यह सवाल इसलिए और भी जरूरी हो जाता है जब इन दिनों शारीरिक के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य की चिंता बच्चों तक में दृष्टिगत होने लगी है। समुचित मात्रा में खाद्य पदार्थ जीव को शारीरिक तंदरुस्ती के लिए आवश्यक तत्व प्रदान करते हैं, लेकिन अच्छे स्वास्थ्य के लिए कुछ तत्व ऐसे भी हैं जो खुश रहने से ही मिलते हैं और जिनके बारे मे मानव सभ्यता के विकास के दौरान चिंतनशील लोगों ने समय-समय पर चेताया है। जब हम किसी बीमारी के कारण कष्ट में होते हैं तो इस कष्ट की शरीर पर दोहरी मार पड़ती है। एक तो शरीर जैविक तौर पर बीमारी से जूझता है और दूसरे बीमारी से उत्पन्न होने वाले मानसिक दुख का भी शरीर पर काफी प्रतिकूल असर पड़ता है। बीमारी के जैविक पहलू को तो डॉक्टरों और दवाओं से संभाला जा सकता है, लेकिन बीमारी से उत्पन्न कष्ट के कारण हो रही हानि को न तो डॉक्टर और न ही दवाएं ठीक कर सकती है और इसीलिए हम अक्सर डॉक्टरों से यह सलाह सुनते हैं कि हौसला रखिए, बीमारी को भूले रहिए आदि-आदि। इसके पीछे विचार यही है कि मानसिक कष्ट की दवा डॉक्टर के पास भी नहीं होती है और यदि वह कहीं है तो वह हमारे पास ही है जिसे समझने भर की जरूरत है। जो व्यक्ति इसे समझ लेता है उसका हौसला बड़ी से बड़ी बीमारी भी नहीं डिगा सकती। कभी-कभी होता है कि कोई व्यक्ति किसी बीमारी से पीड़ित होता है, लेकिन जब तक उसे उस बीमारी का ज्ञान नहीं होता है तब तक उसका शरीर उससे अंदरूनी तौर पर जूझ रहा होता है और उस पर उस बीमारी का कोई प्रतिकूल असर भी नहीं होता है, लेकिन जैसे ही उसे उस बीमारी का पता लगता है वह अच्छी डॉक्टरी देखभाल के बावजूद लड़खड़ा जाता है। कारण यही है कि जैसे ही बीमारी के मानसिक कष्ट की वजह से व्यक्ति दुखी होने लगता है तो वह बहुत से स्वतः प्रवृत्त रक्षात्मक उपायों से अपने शरीर को वंचित कर देता है। इसलिए प्रतिकूल परिस्थितियों में भी खुश रहकर इसके सकारात्मक असर का कमाल देखिए।

संपादकीय

देश अमीर कैसे बनते हैं?

इस वर्ष अर्थशास्त्र का नोबेल पुरस्कार तीन ऐसे विद्वानों को दिया जा रहा है जिन्हें एक बेहद साधारण प्रश्न करने में विशेषज्ञता हासिल है: देश अमीर कैसे बनते हैं? ये विद्वान पारंपरिक संदर्भों में अकादमिक अर्थशास्त्री नहीं हैं। निश्चित तौर पर डैरन एसमोगलू अपनी पीढ़ी के सर्वाधिक प्रतिष्ठित प्रोफेसरों में से एक हैं। परंतु साइमन जॉनसन एक बिजनेस स्कूल में उद्यमिता के प्रोफेसर और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पूर्व मुख्य अर्थशास्त्री हैं।

जेम्स ए रॉबिनसन लंबे समय तक राजनीति विज्ञान और लोक नीति विभागों में रहे हैं। किसी देश के सफल या विफल होने से संबंधित प्रश्न के लिए तीन अलग-अलग दृष्टिकोणों का आपसी सामंजस्य जरूरी था ताकि उसे कामयाबी मिल सके। प्रोफेसर एसमोगलू, जॉनसन और रॉबिनसन (या एजेआर) ने जिस प्रेरणा के साथ अपनी जांच शुरू की वह एकदम साधारण थी: कुछ देश मध्यकाल में अमीर क्यों थे और आज वे गरीब क्यों हैं जबकि अन्य देश जो उस समय गरीब थे आज अमीर हो चुके हैं? यह ''भारी उलटफेर'' यूं ही हो गया इसकी कोई ठोस वजह है? इसका उत्तर एकदम सहज था: 'संस्थान।' यह शब्द अब बहुत अधिक इस्तेमाल किया जा रहा हे- आंशिक तौर पर ऐसा एजेआर के काम के कारण भी है लेकिन इसका प्रयोग बिना इसे ठीक तरह से समझे किया जा रहा है। संस्थानों से इन विद्वानों का तात्पर्य था शक्ति के प्रयोग पर सीधे और लागू किए जाने लायक प्रतिबंध। आदर्श स्थिति में देखें तो संस्थानों का उभार विभिन्न समूहों के बीच सत्ता के इस्तेमाल के संतुलन के लिए हुआ ताकि शक्ति का जरूरत से अधिक इस्तेमाल सीमित किया जा सके और यह सुनिश्चित हो सके कि दीर्घावधि में संपत्ति पर अधिकार सरीखे वृद्धि को बढ़ावा देने वाले उपायों का संरक्षण होगा। यह निवेश का मार्ग प्रशस्त करता और उद्यमिता और वृद्धि फलते-फूलते। एजेआर के मूल पर्चे में दो दशक पहले इस प्रभाव को एक चतुराईपूर्ण उपाय के जरिये दर्शाया गया था। प्रश्न यह था कि यह कैसे दर्शाया जाए कि संस्थानों के कारण वृद्धि हुई, न कि संस्थान संपत्ति निर्माण के कारण या उसके समांतर पैदा हुए। यह दिखाने का एक तरीका तो यह होता कि उन संस्थानों की पहचान की जाती जो संपत्ति के अलावा अन्य वजहों से उभरे और उसके बाद यह देखा जाता कि क्या इन संस्थानों वाले देशों का प्रदर्शन बेहतर रहा? वैसा करने के लिए एजेआर-जिसके एक सदस्य तुर्किये के हैं और दो अंग्रेज, ने स्वाभाविक रूप से उपनिवेशवाद का रुख किया। उन्होंने यह उचित धारणा बनाई कि औपनिवेशिक काल में दौरान जिन स्थानों पर यूरोपीय लोग स्वस्थ रहे वहां अधिक यूरोपीय लोग बसने लगे और यदि किसी उपनिवेश में मूल निवासियों की तुलना में यूरोपियों की तादाद अधिक थी तो उनकी संस्थाओं के शोषक और कम प्रतिनिधित्व वाला होने की संभावना कम थी। उसके बाद उन्होंने इसका इस्तेमाल यह दिखाने के लिए किया कि जिन जगहों पर यूरोपीय लोग बसे उनका प्रदर्शन समय के साथ बेहतर रहा। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

स्वच्छ हवा

एक बार फिर से दिल्ली और आस-पड़ोस के लोग खतरे के अंदेशे से भर गए हैं। सर्दी शुरू हो गई है। हल्की हवा बहना बंद कर देगी और हवा में मौजूद प्रदूषक असर दिखाएंगे। तब हम सांस नहीं ले पाएंगे। हम सिर्फ उम्मीद करेंगे कि हवा-पानी राहत देकर जाए। ये हालात इसलिए हैं क्योंकि हमने प्रदूषण से निपटने के लिए कुछ भी नहीं किया। हम इन्हीं दिनों में कदम उठाते हैं, जाहिर तौर पर ये बहुत थोड़े होते हैं और देर भी हो जाती है। अब कहा जा रहा है कि क्लाउड सीडिंग पर विचार हो रहा है। जबकि यह स्पष्ट है कि प्रदूषक कारक नमी में फंसकर रह जाते हैं, जिससे स्थिति विकट हो जाती है। 1990 के दशक में सेंटर फॉर साइंस एंड एन्वॉयरमेंट ने 'स्लो मर्डर' रिपोर्ट में प्रदूषण के मुख्य कारक बताए थे। इनमें वाहन, ईंधन की खराब गुणवत्ता व वाहन निमार्ताओं के कार्बन उत्सर्जन मानकों में कमी थी। उसी दशक के उत्तरार्ध में सुप्रीम कोर्ट ने दिशानिर्देश जारी किए, जिसमें सरकार से ईंधन की गुणवत्ता में सुधार करने, गाड़ियों के लिए उत्सर्जक मानक अनिवार्य बनाने (यह भारत स्टेज 1,2,3 और अब 6 की शुरूआत थी) और सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने के लिए कहा था। 1998 में कोर्ट ने निर्देश दिया था कि सड़कों पर 11 हजार बसें चलाई जाएं। पर ऐसा नहीं हुआ। पेट्रोल-डीजल की गुणवत्ता सुधारने के बजाय विकल्प के रूप में सीएनजी आई। हालांकि यह तत्काल राहत साबित हुई। आज, जब हम ईवी की ओर बढ़ रहे हैं, ऐसे में सीएनजी अपनाने से जुड़े कई सबक काम आ सकते हैं। पहला है टेक्नोलॉजी की चुनौती। किसी भी देश ने इतनी व्यापकता से सीएनजी की ओर रुख नहीं किया था, जैसा 90 के दशक में दिल्ली में प्रस्ताव था। मूल्य की भी चिंताएं थीं।

मतलब टेक्नोलॉजी में इनोवेशन के लिए नीतिगत मार्गदर्शन की जरूरत थी। वित्तीय मदद दी गई, ताकि पुरानी वाहन हटाए जा सकें और सीएनजी वाहन आ सकें। दूसरा था लागू करने की चुनौती और क्रियान्वयन। कोर्ट ने दो से तीन साल में पूरी तरह से सीएनजी वाहनों पर शिफ्ट होने को अनिवार्य किया था। इसमें समन्वय के साथ कुछ कड़े निर्णयों की जरूरत थी। आज जब दिल्ली में ई-बसों की महत्वाकांक्षी परियोजना है, लेकिन यह वांछनीय गति से नहीं हो रहा है, ताकि निजी वाहन बढ़ने से रोके जा सकें। साल 2023 में रजिस्टर्ड हुए निजी वाहनों की संख्या 2022 के मुकाबले दोगुनी थी। भले ही नए वाहन ज्यादा स्वच्छ हों, लेकिन उनकी भी बहुत ज्यादा संख्या से इसके फायदे कहीं खो जाते हैं। यह साधारण- सा गणित है। दूसरा महत्वपूर्ण फैक्टर ईंधन हैं, जो कि घरों में चूल्हे से लेकर फैक्ट्री और थर्मल पावर प्लांट में इस्तेमाल होता है। ज्यादातर मामलों में यह बायोमास या कोयला है। सुप्रीम कोर्ट ने पेट कोक, वहीं दिल्ली सरकार ने कोयले पर प्रतिबंध लगाया है। यह भी सहमति हुई कि थर्मल पावर प्लांट सफाई करेंगे या बंद हो जाएंगे। पर ऐसा हुआ नहीं। सीएनजी की तरफ शिफ्ट होने के सबक ये हैं कि किसी चीज के बैन को प्रभावी बनाने से पहले लोगों को विकल्प चाहिए होते हैं। जब डीजल बसें बंद हुईं, तो सीएनजी की आपूर्ति सुनिश्चित करनी पड़ी। कोर्ट ने कहा था कि स्वच्छ ईंधन को सस्ता रखने के लिए राजकोषीय उपायों की आवश्यकता है। लेकिन प्राकृतिक गैस की कीमत उद्योग को अप्रतिस्पर्धी बनाती है। हमें समझना जरूरी है कि स्वच्छ हवा के लिए पूरे साल कदम उठाने होंगे।

भक्ति गीतों और डांडिया गीतों से सजी जेएसजी डायमंड और गोल्ड ग्रुप की महफिल

ईपी में हुआ आयोजन, सदस्यों ने दो घंटे पूरे उत्साह से लिया डांडिया गरबा डांस नाइट का आनंद

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप डायमंड और जैन सोशल ग्रुप गोल्ड ने मिलकर जवाहर सर्किल स्थित ईपी में डांडिया डांस नाइट का आयोजन किया। डायमंड के अध्यक्ष प्रदीप दीवान तथा गोल्ड के अध्यक्ष राजकुमार बैद ने बताया कि इस डांडिया प्रोग्राम में सदस्यो और बच्चों ने भक्ति गीतों और डांडिया गीतों पर नृत्य कर महफिल सजाई। इस आयोजन में सदस्यों ने भगवान आदिनाथ जी की तस्वीर के समक्ष पंच परमेष्टि की आरती करके डा गौरव जैन के जैन डांडिया गीत पर गरबा और डांडिया नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम की धूमधाम को और बढ़ा दिया। डायमंड के सचिव संदीप जैन और गोल्ड के सचिव मनीष जैन चांदवाड़ के अनुसार डांडिया प्रोग्राम में ग्रुप की महिलाएं पुरूष और बच्चे रंग-बिरंगे और लुभावने परिधानों में सजी-संवरे नजर आएं, सदस्यों ने डीजे लव शर्मा के गरबा और डांडिया गीतों पर नृत्य का आनंद लिया और एंकर शिखा जैन के ओजस्वी वाणी के साथ जमकर मौज मस्ती की। डांडिया का आकर्षण बहुत सारे पुरस्कार रहे जिनका निर्णय जज के रुप में आए सुप्रसिद्ध गायक संजय रायजादा और सुप्रसिद्ध डांस कोरियोग्राफर अंजू माथुर नाग ने किया। इससे पूर्व सदस्यों ने सन्मति जैन और विधान माहेश्वरी के सयोजन में स्वादिष्ट भोजन का भरपूर आनंद लिया। कार्यक्रम में आए सभी सदस्यों का कनवीनर शीतल अमिता जैन, निलेश चानी जैन, आशीष बीनू जैन, और विनीत रश्मि चांदवाड़, अक्षत रुचि पाटनी, मितेन्द्र रतिका जैन ने स्वागत सत्कार किया। इस अविस्मरणीय आयोजन का संचालन करते हुए कार्यक्रम सूत्रधार राकेश गोधा ने दोनो ग्रुप के पदाधिकारियों , निर्णायक और कनवीनर का परिचय करवाया। भादवा मास में तेला (तीन दिन के उपवास) करने वाले रश्मि चांदवाड़ और आकाश बड़जात्या का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सुरेंद्र पाटनी, रोहित जैन, भरत जैन, जीतेश लुहाड़िया, मनीष जैन सहित अनेक सक्रिय साथी उपस्थित रहे।

नन्दीश्वर द्वीप महान...

मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में पूजा विधान का आयोजन, 52 जिनालयों में 5616 जिनबिम्बों की आठ दिवसीय आराधना

नन्दीश्वर द्वीप महामण्ड़ल विधान में जयकारों के साथ मंगलवार को 540 अर्घ्य चढ़ाये

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में धरती पर जैन धर्म के सबसे बडे पूजा विधान के रूप में आठ दिवसीय महामह नंदीश्वर पूजा विधान का जयपुर में पहली बार हो रहा है। मानसरोवर के सेक्टर 9 स्थित सामुदायिक केन्द्र पर 52 जिनालयों की स्थापना की जाकर 5616 जिनबिम्बों की एक साथ एक स्थान पर आठ दिवसीय संगीतमय आराधना के इस आयोजन में मंगलवार को 540 अर्घ्य चढाये गये।इस मौके पर आसपास का वातावरण भगवान के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन समिति मीरा मार्ग के संगठन मंत्री अशोक सेठी एवं सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी ने बताया अर्हं योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज द्वारा रचित इस महामह विधान में मंगलवार को प्रातः 6.15 बजे से सोधर्म इंद्र शीतल, अनमोल कटारिया परिवार के नेतृत्व में जयकारों के बीच श्री जी के अभिषेक किये गये। तत्पश्चात विश्व में सुख, शांति, समृद्धि और अमन चैन की कामना करते हुए भगवान कुंथुनाथ, भगवान अरहनाथ एवं भगवान

फोटोः कुमकुम फोटो
साकेत, 9829054966

महावीर स्वामी की शांतिधारा की गई। तत्पश्चात अष्ट द्रव्य से नित्य नियम पूजा की गई। तत्पश्चात नन्दीश्वर द्वीप विधान प्रारंभ हुआ। जिसमें दक्षिण दिशा के दधिमुख पर्वतों पर स्थित पांच जिनालयों के मंत्रोच्चार के साथ 540 अर्घ चढाये गये । पूजा के दौरान श्रद्धालुओं ने भक्ति नृत्य किये। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा एवं कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन ने बताया कि एक जिनालय में 108 जिनबिम्ब विराजमान हैं। इस तरह से 52 जिनालयों में 5616 जिनबिम्बों के अर्घ्य आठ दिनों में चढ़ाए जाएंगे। समिति के उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी एवं संयुक्त मंत्री सीए मनोज जैन ने बताया कि आयोजन के लिए आचार्य विद्यासागर महामुनिराज के सानिध्य में कुण्डलपुर (मध्य प्रदेश) में आयोजित पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में प्रतिष्ठित 5616 जिन बिम्बों को सतना से जयपुर लाया गया है। इस मौके पर मुनिश्री ने अपने प्रवचन में बताया कि इस महामह पूजा के अंतर्गत हमें 363 प्रकार के मिथ्यात्व दूर होवे, ऐसी भावना के साथ यह पूजा करनी चाहिए तभी हमारे अंदर समचीनता आयेगी। यह विधान भी हमें अहम से अर्हं की ओर ले जाता है। मुनिश्री ने बताया कि मिथ्यात्व भाव को चारों अनुयोगों में अलग-अलग व्याख्या किया गया है। जिनवाणी में कहे गए भाव के अनुसार अपनी परिणिति मानने से विपरीत अभिप्राय को तोड़ा जा सकता है। इस मौके पर अशोका इलेक्ट्रिकल के इन्द्र कुमार महेश बाकलीवाल, नन्द किशोर प्रमोद पहाड़िया, आर के ग्रुप किशनगढ़ के सुरेश पाटनी - शांता पाटनी एवं सुनील ठोलिया परिवार ने चित्र अनावरण, दीप प्रज्जवलन, पाद पक्षालन एवं शास्त्र भेंट का पुण्यार्जन करते हुए मुनि श्री को श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस मौके पर सभी अतिथियों ने नन्दीश्वर द्वीप के 5616 जिनबिम्बों के दर्शन एवं परिक्रमा करने का लाभ प्राप्त किया । समिति की ओर अध्यक्ष सुनील पहाड़िया, मंत्री राजेन्द्र सेठी, सुनील बैनाडा, तेज करण चौधरी, लोकेन्द्र जैन, मनोज जैन,अशोक सेठी जम्बू सोगानी, आदि ने अतिथियों का स्वागत किया। पूजा विधान में जयपुर सहित पूरे देश से सैकड़ो से श्रद्धालु शामिल हुए। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा के मुताबिक बुधवार को प्रातः 6.15 बजे से अभिषेक, शांतिधारा के बाद नित्य नियम पूजा होगी। तत्पश्चात नन्दीश्वर द्वीप महामह पूजा विधान प्रारंभ होगा।जिसमें 8 जिनालयों के 864 अर्घ्य चढाये जाएंगे। पूजा विधान के दौरान प्रातः 8.15 बजे मुनि प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होंगे। अध्यक्ष सुशील पहाड़िया एवं मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि रविवार, 13 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में आयोजित आठ दिवसीय महामह नंदीश्वर पूजा विधान में बैठने के लिए जयपुर शहर के विभिन्न जैन मंदिरों से आने जाने के लिए बसों की व्यवस्था की गई है ।पूजा विधान में बैठने वाले इन्द्र-इन्द्राणियो के लिए कार्यक्रम समापन पर शुद्ध भोजन की व्यवस्था की गई है। **-विनोद जैन कोटखावदा**

आंखों देखी SMS हॉस्पिटल जयपुर की चिंतन करने योग्य एक घटना...

एक बाप स्ट्रेचर पर तडपते हुए अपने बेटे को दिलासा दिला रहा था कि **बेटा मैं हूँ न ,सब ठीक हो जाएगा बस तुम्हारी MRI होना बाकी हैफिर डॉक्टर तुम्हारा इलाज शुरू कर** .....वो बदकिस्मत बाप अपनी बात पूरी कर पाता उस से पहले ही स्ट्रेचर पर पड़े उसके बेटे को एक भयानक दौरा पड़ा।बात बीच में छोड़ कर वो उसकी पीठ पर थप्पी मारने लगा।अपने इक्लोते बेटे को यूँ तडपते हुए देख उसकी आँखों से आंसू टपकने लगे। 6 फिट लम्बाईलम्बा चोडा शरीर था उसका लेकिन अपने बेटे की दुर्दशा देख उसका सारा पोरुष पिघल गया।बच्चो की माफिक रोने लगा। उसे उम्मीद थी कि जल्द उसके बेटे की MRI हो जायेगी। फिर उसको हुई बिमारी का पता चल जाएगाऔर उसका काम हो जाएगा। होगा क्यों नहीं? राजस्थान के सबसे बड़े अस्पताल SMS में जो आया थासारी उम्मीद लेकर आया था लेकिन पिछले 1 घंटे से उसका नंबर न आया। आता भी कैसे? अन्दर पहले से MRI करवाने वालो की भीड़ जो थी। एक MRI में करीब आधा घंटा लगता है और 50 संवेदनहीन लोग उस से पहले लाइन लगा के बेठे थे और मशीन 24 घंटे चलती तब भी उसका नंबर शायद 2वे दिन आता। जयपुर काया कहें राजस्थान का सबसे बड़ा अस्पताल! राजस्थान को सवाई मानसिंह जी का दिया हुआ उपहार! देश के नामी गिरामी विशेषज्ञों से लेस अस्पताल!! लेकिन यहाँ महज एक MRI की मशीन है! दूसरी मशीन खराब पड़ी है जिसे सुधारने के लिए चीन भेजा जाएगाहम 21 वि सदी में हैं हमारी GDP की रफ़्तार सभी देशो को मात दे रही है। हमने

सबसे सस्ता मंगल यान अन्तरिक्ष में भेज दिया। हर महीने हर सप्ताह हमारा इसरो नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। हमें न्युक्लिर मिसाइल ग्रुप की सदस्यता मिलने वाली है। हम तेजस जैसे हलके लड़ाकू विमान बना रहे हैं। पंडूबिया बना रहे हैं लेकिन हमारे अस्पतालों में Xray मशीन नहीं हैं MRI मशीन नहीं हैं। होंगी भी कैसे? यहाँ MRI मशीन बनाने की तकनीक है ही नहीं न ही उसके खराब होने पर उसे सुधारने की कोई तकनीक है। आपको बता दूँ एक उम्दा गुणवत्ता की MRI मशीन करीब 1 करोड़ की आती है और ये चीन जापान कोरिया जैसे देशो से आयात की जाती हैं, खराब होने पर या तो मशीन चाइना जायेगी या वहां से टीम यहाँ आएगी, इसकी मरम्मत का खर्च लगभग लाखो में आएगा। अब ये जानकर आपको अमृतानंद की अनुभूति होगी कि 3600 करोड़ की शिवाजी की मूर्ती और लगभग 2100 करोड़ की सरदार पटेल की मूर्ति क्रमशः मुंबई और गुजरात में बन रही हैं। इसमें कोई दो राय नहीं है ये दोनों हमारे गौरव थे हैं सदा रहेंगे। इनका मोल इन पैसो से कहीं बढ़कर था लेकिन ये भी होते तो कहते कि अस्पताल बनाओ जरुरी व्यवस्था उपलब्ध कराओ। उनकी जरुरत की चीजे बनाओ। ज्यादा दूर न जाकर नजदीक आते हैं जयपुर मेट्रो के अगले चरण में कुल 4 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे। भामाशाह योजना में अब तक करीब हजार करोड़ से अधिक का खर्च हो चूका है और ये उक्त सभी प्रोजेक्ट अपनी अपनी जगह ठीक हैं लेकिन प्राथमिकताए जैसे रोटी कपडा मकान स्वस्थ्य पीने का पानी ये तो पूरी हों। सबसे बड़े अस्पताल में कम से कम 10 MRI मशीन हो जाए तो किसका क्या बिगड़ जाएगा? मेक इन इंडिया के तहत यहाँ ऐसी जरुरत की चीजे बनने सुधरने लगेंगी तो किसका क्या बिगड़ जाएगा? लेकिन नहीं! हमें सबसे ज्यादा जरुरत अभी 36 राफेल लड़ाकू विमानों की है जिनकी कीमत करीब 36000 करोड़ होगी। आपके ये जानकर होश फाक्ता हो जायेंगे किजो एक MRI मशीन SMS में लगी हुई है वो भी प्राइवेट अस्पताल मणिपाल की लगाईं हुई है। आखिर में वो बिलखता हुआ बाप स्ट्रेचर पे लेटे हुए अपने बच्चे को रोते हुए बाहर ले गया। शायद हिम्मत टूट गयी थी उसकी या उस बच्चे की साँसे ! :'(लेकिन रोज मोत देखने वाले अस्पताल की संवेदनाये तो मर चुकी थी उन्हें क्या फर्क पड़ता है कि कोई मरे या जिए आज दान की जरूरत मंदिरो से ज्यादा अस्पतालों को है।

संकलन:
सतीश अकेला

खातीपुरा में एक्सिस बैंक का हुआ उद्घाटन

जयपुर. शाबाश इंडिया। खातीपुरा में एक्सिस बैंक का उद्घाटन हुआ, जिसमें महा निरीक्षक जयपुर रेंज अजय पाल लांबा, खातीपुरा व्यापार मंडल अध्यक्ष भवानी सिंह राठौड़, रिटायर्ड आईजी गिरधारी शर्मा और कैप्टन भोपाल सिंह शेखावत ने भाग लिया। एक्सिस बैंक का उद्घाटन खातीपुरा में हुआ। महा निरीक्षक जयपुर रेंज अजय पाल लांबा ने उद्घाटन किया। खातीपुरा व्यापार मंडल अध्यक्ष भवानी सिंह राठौड़ ने व्यापारियों को संबोधित किया। रिटायर्ड आईजी गिरधारी शर्मा और कैप्टन भोपाल सिंह शेखावत ने भाग लिया। बैंक के उद्घाटन से व्यापार और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। एक्सिस बैंक के उद्घाटन से खातीपुरा के व्यापारियों को बहुत लाभ होगा। बैंक की सेवाएं व्यापारियों को उनके व्यवसाय को बढ़ाने में मदद करेंगी। महा निरीक्षक जयपुर रेंज अजय पाल लांबा ने कहा कि बैंक का उद्घाटन खातीपुरा के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर खातीपुरा व्यापार मंडल अध्यक्ष भवानी सिंह राठौड़ ने कहा कि एक्सिस बैंक की सेवाएं व्यापारियों को उनके व्यवसाय को बढ़ाने में मदद करेंगी। रिटायर्ड आईजी गिरधारी शर्मा और कैप्टन भोपाल सिंह शेखावत ने भी अपने विचार व्यक्त किए। एक्सिस बैंक का उद्घाटन खातीपुरा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो व्यापार और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगा। बैंक की सेवाएं व्यापारियों को उनके व्यवसाय को बढ़ाने में मदद करेंगी।

वात्सल्य वारिधि परम पूज्य आचार्य श्री वर्धमान सागरजी महाराज ससंघ को श्री फल भेट किया

पदमपुरा पंचकल्याण में सानिध्य के लिए निवेदन किया

परसोला, प्रतापगढ़. शाबाश इंडिया। वात्सल्य वारिधि परम पूज्य आचार्य श्री वर्धमान सागरजी महाराज ससंघ को श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा प्रबंध समिति की ओर से आगामी वर्ष 2025 में पदमपुरा पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में सान्निध्य प्रदान करने हेतु श्रीफल समर्पित किया गया। प्रसिद्ध वास्तु शास्त्री एवं प्रबंध समिति कोषाध्यक्ष राजकुमार कोठारी, एडवोकेट जे एम जैन ने परसोला, प्रतापगढ़ में चतुर्मास हेतु विराजमान आचार्य श्री वर्द्धमान सागर जी महाराज को श्री फल भेट कर उनका आशीर्वाद लिया तथा पदमपुरा में आगामी 2025 में होने वाले पंच कल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव में सानिध्य प्रदान करने हेतु निवेदन किया।

"आज लिखेंगे कल" कविता संग्रह का हुआ लोकार्पण

सनावद. शाबाश इंडिया

पार्श्व ज्योति मंच द्वारा आयोजित हुए कार्यक्रम में प्रसिद्ध विद्वान्तथा अ. भा. दि. जैन विद्वत परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र कुमार जैन बुरहानपुर द्वारा लिखित तथा प्रकाशित कविता संग्रह 'आज लिखेंगे कल'' का लोकार्पण किया गया। उपरोक्त जानकारी देते हुए शुभम जैन एवं धीरेंद्र बाकलीवाल ने बताया कि पूज्य चारित्र चक्रवर्ती आचार्य श्री शांति सागर महाराज के 150 वें आचार्य पदारोहण दिवस पर रविवार को हुए कार्यक्रम में पार्श्वज्योति मंच के अध्यक्ष डॉ. नरेन्द्र जैन भारती ने प्रकाशित काव्य संग्रह का लोकार्पण कर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि लेखक की रचनाओं को साहित्यिक जगत में हमेशा सम्मान मिलता रहा है उसी कड़ी में यह रचना संग्रह है जिसमें काव्यकार की विविध सम सामयिक विषयों पर रची गई रचनाओं को प्रकाशित कर जन सामान्य के लिए उपलब्ध कराया गया है। इस मौके पर विजय जैन, संजय जैन, आशीष जैन, हिमांशु जैन, इंद्रा जैन, संध्या जैन, प्रिया जैन, कल्पना जैन, वीनस जैन, सहित अनेक साहित्य प्रेमी मौजूद थे।

तीये की बैठक

हमारे आदरणीय

डॉ. कमलेश जी कासलीवाल

पुत्र **स्व. श्री वैद्य प्रभुदयाल जी कासलीवाल** का आकस्मिक स्वर्गवास 14.10.2024 को हो गया है। **तीये की बैठक** 16.10.2024 को प्रातः 10.00 बजे जैन भवन, भट्टारकजी की नसियाँ, जयपुर में होगी।

शोकाकुल

डॉ. पुष्पा (धर्मपत्नी), रितु- पीयूष, सीमा- विवेक (पुत्री- दामाद), आदित्य, अर्नव (दोहते), रिया (दोहिती), राजेश- मंजु, अशोक- राजुल, सुभाष-उर्मिला, राजीव-ज्योति (भाई- भाभी), महावीर, निर्मल (भाई), चन्द्रकला- डॉ.प्रेमचंद जी जैन, (बहन- बहनोई), नवीन सेठी एवं समस्त कासलीवाल परिवार सैंथलवाले।

ससुरालपक्ष:-विनोद, राजेश, संजय प्रतीक, करण, रवि एवं समस्त लुहाडिया परिवार।

अन्तर्मना आचार्य प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

कुलचाराम, हैदराबाद. शाबाश इंडिया। जैन दर्शन दो धर्मों की बात करता है-एक श्रावक धर्म, दूसरा मुनि धर्म! श्रावक धर्म कहता है - यदि तुम्हारे नगर में, शहर में कोई सन्त, मुनि, आचार्य संघ आये तो उनकी अगवानी करो, उनका अभिनन्दन वन्दन करो, सेवा भक्ति करो, समुचित व्यवस्था करो। उनकी आगमोक्त चर्या में सहयोगी बनो, और यदि वहाँ से, वो गमन कर रहे हों, तो सह सम्मान -- प्रसन्न मन से सहज विदा करो। क्योंकि वह तुम्हारे जैसे तुम्हारे ही भाइयों को जगाने के लिये जा रहे हैं। सच्चा श्रावक वही है, जो दिगम्बरत्व के प्रति, पिच्छी - कमण्डल के प्रति, बिना भेदभाव से सेवा - भक्ति - श्रद्धा पूर्वक विनय करता है। गुणवान के प्रति आदर सत्कार से भरता है, तब ही वो श्रावक है। क्योंकि जैन धर्म में चारित्रनिष्ठ सभी त्यागी व्रती, महाव्रती, सभी आचार्य मुनि, आर्यिकायें पूज्यनीय वन्दनीय है। मुनि धर्म कहता है-अपने कर्तव्यों का इमानदारी से पालन करते हुये संकल्प-समर्पण और अपने लक्ष्य को सदा याद रखें। सन्त वचनों से नहीं, आचरण से प्रभावित करके, चेतना को प्रकाशित करते हैं। आचरण ही पूज्यनीय, वन्दनीय है। सच है मित्रो - सन्त होना सौभाग्य की बात है। परन्तु सन्त के सन्तत्व का निर्वाह करना परम सौभाग्य की बात है। लेकिन अब साधु, सन्त का जीवन कम जी पाते हैं। सबके अपने अपने प्रोजेक्ट हैं, योजनाएँ हैं, कोई क्रिया काण्ड में, विधि-विधान में उलझ गये हैं। अब हम जैसे-साधु, सन्त (1) पब्लिक (2) पैसा (3) प्रोजेक्ट, में ही उलझ गए हैं। अब तप, त्याग, साधनाएं रोज रोज कम होती जा रही है। ऐसा ही चलता रहा तो आने वाले समय में अच्छे और सच्चे श्रावक धर्म को व्यापार जानकर, धर्म से दूर हो जायेंगे। क्योंकि साधु वह जीवित संस्था है, जिससे मरणासन समाज को जीवन दान तो मिलता ही है, साथ में - संस्कृति भी सँवरती है। सन्त राष्ट्र के भाग्य विधाता है। सन्त समाज के कर्णधार होते हैं। ऐसे सन्तों से ही समाज और देश की उन्नति होती है। **-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

संपूर्ण भारत वर्ष के तीर्थों की श्रेणी में जाना जाएगा नौगामा का सुखोदय तीर्थः मुनि श्री सुधासागरजी महाराज

सागर. शाबाश इंडिया

जयपुर से सागर ले गए प्रतिमा, आर्यिका के सानिध्य में 24 अक्टूबर को विराजमान होगी नौगामा में। वागड मेवाड के सबसे बडे भगवान श्री मुनिसुव्रतनाथ की प्रतिमा का 24 अक्टूबर को नौगामा आगमन होगा। माताजी पवित्र मति माताजी ससघ के सानिध्य में प्रदीप भैया सुयश अशोक नगर निर्देशन में विधि विधान के साथ विराजमान होगी। शनि ग्रह अरिष्ट निवारक भगवान मुनिसुव्रतनाथ का भव्य मंदिर धर्म नगरी नौगामा में आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के आशिर्वाद, निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव सुधासागरजी महाराज के प्रेरना से प्रतिष्ठाचार्य प्रदीप भैया सुयश अशोकर नगर के दिशा निर्देशन में मंदिर बनने जा रहा है । प्रसिद्ध वास्तुविद श्रीपाल जैन और प्रवक्ता सुरेश गांधी ने बताया कि दो वर्ष तक देश भर की हजारो खदानो में श्याम वर्ण की बड़ी शीला को तलाश ने में लगे आखिर कार नौगामा जैन समाज के

प्रयास को सफलता मिली और यह शीला मंडा भेसलाना जयपुर के पास खदान से श्याम वर्ण पत्थर को खोजा जिसके बाद मुर्ति बनाने का कार्य जयपुर के प्रसिद्ध मुर्तिकार नाहटा परिवार ने मुर्ति बनाई। जिसको अंतिम रूप देने में छह माह लगे। 25 टन वजनी भगवान मुनि सुव्रतनाथ की उंचाई सवा 15 फीट , प्रतिमा चौडाई 12 फीट ,गहराई 6 फीट तथा वेदी समेत सवा 21 फीट व शिखर समेत 108 फीट मंदिर की उंचाई होगी । मंदिर 100 बाय 200 फीट लंबाई चोडाई में बनकर तैयार हो रहा है । बंसी पहाडपुर पिंक पत्थर से निर्मित विशाल मंदिर दो नदीयो सुख नदी व हिरन नदी के संगम तट पर स्थित है जिस कारण से वर्ष 2016 में पुज्य सुधासागरजी महाराज ने तीर्थ का नाम सुखोदय रखा। मुर्ति को जांचा परखा नौगामा जैन समाज के प्रतिनिधि जयपुर से मुर्ति को सागर के भाग्योदय तीर्थ पर ले गए। जहां पर विराजमान पुज्य सुधासागरजी महाराज ने दो घंटे तक अवलोकन किया तथा क्रेन से निचे उतारकर अच्छे से देखा जांचा परखा उसके बाद प्रतिमा को सुखोदय तीर्थ पर बन रहे। मंदिर में विराजमान करने का आशीर्वाद प्रदान किया और महाराज जी ने कहा कि शास्त्रों में आया है मुर्ति तो बाद में बनती, पहले पाषाण को देखा जाता है, पाषाण की परीक्षा होती है, पाषाण के गुण होते,यह देखा जाता है कि यह पाषाण भगवान बनने लायक है या नही । पाषाण भी अपने आप में एनर्जी बोलता है कभी कभी पाषाण ऐसा होता है कि अध्यात्मिक शक्ति का बहुत बडा निमित्त बन जाता है जो भी इस के मुर्ति के पास जाएगा कितना भी आक्रोश में होगा, नकारात्मक बनके जाएगा जैसे ही इस मुर्ति को देखेगा उसकी द्रष्टी उसका सोच सकारात्मक होगी और वो शांति का अनूभव प्राप्त करेगा । उन्होंने कहा कि कुछ पाषाण ऐसे होते जिसको हाथ में लेते ही झगडे का भाव आ जाता है । पुज्य सुधासागरजी महाराज ने कहा कि पहली द्रष्टी में ही आंख ने ना नही हां कहा कि मुर्ति बड़ी मनोहर हारि है अच्छी है । इससे अच्छी मुर्ति अब मिलेगी नही क्युकि खदानो से पत्थर निकल रहे वो बडी मुर्तिया निकल चुकी अब निकलेगी नही। इस मुर्ति के पहुंचने के बाद सुखोदय तीर्थ नौगामा ही नही पुरे भारत का तीर्थ क्षेत्र बनेगा। मुनि श्री ने देश भर से आए श्रद्धालुओं के समक्ष कहा कि वागड में दो क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रसिद्ध होंगे सुखोदय व वीरोदय तीर्थ दोनो क्षेत्र ऐसे बन रहे।

।। श्री पद्मप्रभु देवाय नमः ।।

धर्मपरायण करुणामयी श्राविका

मातुश्री स्व. कौशल्या देवी जी मेहता

की 28वीं पुण्य तिथि एवं

गुलाब कौशल्या चैरिटेबल ट्रस्ट की 28वीं वर्षगांठ पर

सोमवार, 21 अक्टूबर 2024

खाद्य सामग्री वितरण / ट्राईसाईकिल वितरण / विशाल रक्तदान शिविर

13.10.2024 16.10.2024 21.10.2024

निःशुल्क लैंस प्रत्यारोपण शिविर - 19 से 23 अक्टूबर 2024 - बाड़ा पदमपुरा

विनीत: **शासनसेवी डॉ. नरेश कुमार-नीरू मेहता**

(मुख्य प्रबन्ध ट्रस्टी) एवं समस्त मेहता परिवार, फोन: 94140-68268

'अर्हम्'

गुलाब कौशल्या चेरिटेबल ट्रस्ट

द्वारा माताश्री कौशल्या देवी जी की 28वीं पुण्य तिथि के अवसर पर

सेवा कार्यक्रमों की कड़ी में

ट्राई साईकिल वितरण

बुधवार, 16 अक्टूबर 2024 - प्रातः 10 बजे

स्थान :- गिरनार

एफ 54, फोर्थ एवेन्यू कॉर्नर, लाल बहादुर नगर वैस्ट, एस.एल. मार्ग, जयपुर

विनीत: **शासनसेवी डॉ. नरेश-नीरू मेहता** प्रबन्ध ट्रस्टी 94140-68268

मार्वलस मिसेज इंडिया सीजन-2 में सलोना पति बनी विजेता

निर्णायक पूर्व बॉलीवुड अभिनेत्री नीलम ने महिलाओं को अधूरे सपने पूरे करने का किया आह्वान

उदयपुर. शाबाश इंडिया

मार्वलस मिसेज इंडिया सीजन-2 का फिनाले अम्बेरी स्थित तथास्तु रिसोर्ट में हुआ। इसमें राजस्थान सहित देश के विभिन्न हिस्सों और विदेश से आयी कुल 26 महिला प्रतिभागियों ने भागीदारी निभाई। निदेशक डॉ. अदिती गोवित्रीकर ने बताया कि कार्यक्रम में 18 वर्ष से 72 वर्षीय वरिष्ठ महिला प्रतिभागियों के लिए 4 राउण्ड आयोजित किये गए। उसके बाद निर्णायकों के मतानुसार सीजन-2 की विजेता सलोना पति, प्रथम रनरअप श्रद्धा त्रिपाठी एवं द्वितीय रनरअप डॉ.गरिमा चौहान को चुना गया। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व सभी प्रतिभागियों को एक महीने की कड़ी ट्रेनिंग दी गई। इस मौके पर सीजन-2 की विनर और रनरअप प्रतिभागियों ने डॉ. अदिती के इस प्रयास की मुक्तकंठ प्रशंसा करते कहा कि इस मंच ने उन तमाम महिलाओं के जीवन में नया रंग भरते उम्मीदों को पंख दिए हैं जो किसी कारण से हताश-निराश हो चुकी थीं। इस अवसर पर पूर्व फिल्म अभिनेत्री नीलम कोठारी भी बतौर जज मुम्बई से उदयपुर पहुंची। उन्होंने कहा कि सभी महिलाएं अपनी खूबसूरती बढ़ाने और उसे बरकरार रखने के लिए हमेशा खुश रहें। खान-पान का

ध्यान रखते हुए स्वयं को फिट रखें। नीलम ने सभी महिलाओं का आह्वान किया कि वे लोगों की परवाह किये बिना अपने लक्ष्य के प्रति मेहनत और लगन से जुटी रहे तो कोई कार्य असंभव नहीं है। उन्होंने विश्वास जताया कि महिलाओं और युवतियों के अधूरे सपनों को पूरा करने में उनके परिजन सहयोग करेंगे। बॉलीवुड फिल्मों से ब्रेक लेने और दोबारा आने के सवाल पर नीलम ने कहा कि फिलहाल वे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर सक्रिय हैं। लेकिन उनकी प्राथमिकता उनका परिवार और 11 वर्षीय बेटी की परवरिश है। वह समय का इंतजार कर रही है कोई अच्छा प्रोजेक्ट मिला तो वह फिल्मों में वापसी जरूर करेगी। उदयपुर को उन्होंने दुनिया के सबसे खूबसूरत शहरों में से एक बताया।

-रिपोर्ट/फोटो: राकेश शर्मा 'राजदीप'

सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ पर दीक्षार्थी प्रेम जी जैन जयपुर की गोद भराई का कार्यक्रम हुआ संपन्न

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुन्सी राजस्थान में चातुर्मासरत परम पूज्य भारत गौरव श्रमणी गणिनी आर्यिका गुरुमां 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ सान्निध्य में भक्तामर दीपार्चना का भव्य आयोजन लादूलाल तामडिया सपरिवार के द्वारा किया गया। प्रतिक जैन सेठी ने बताया की अतिशयकारी श्री शांतिनाथ भगवान की शांतिधारा करने का सौभाग्य राजकुमार एडवोकेट कासलीवाल मालपुरा, अशोक कासलीवाल मालपुरा सपरिवार ने प्राप्त किया। गुरुभक्त दिनेश योगेन्द्र कुमार झिलाई वालों ने जन्मदिन पर पूज्य गुरु मां का मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया। प्रतीक जैन सेठी ने बताया की दोपहर 2.30 बजे दीक्षार्थी प्रेम जी मंगल विहार जयपुर निवासी की सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ ट्रस्ट एवं श्रावकों द्वारा पूज्य माताजी ससंघ सान्निध्य में भव्य गोद भराई का कार्यक्रम आयोजित किया गया। सुनील अनिल कासलीवाल मालपुरा सपरिवार ने चौका लगाकर आर्यिका संघ की आहारचर्या कराने का परम सौभाग्य प्राप्त किया। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए पूज्य माताजी ने कहा कि प्रभु भक्ति में अनंत शक्ति है। परंतु उस शक्ति का अनुभव सिर्फ उसे ही होता है जो अंतरंग से भक्ति करता है।

सम्मेदशिखर जी के लिए स्पेशल ट्रेन से जाएंगे 11000से ज्यादा यात्री

पहली ट्रेन आज दिल्ली से रवाना हुई, सभी यात्री 20 को वापस आएंगे

जयपुर. शाबाश इंडिया। उपाध्याय गुप्ति सागर जी व मुनि प्रमाण सागर जी के आशीर्वाद से जैन धर्म के सर्वोच्च तीर्थ क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी के लिए ट्रेन द्वारा देश भर से 11000 से अधिक तीर्थ यात्रियों को ले जाने के कार्यक्रम की शुरूआत के रूप में पहली ट्रेन आज दिनांक 15 अक्टूबर 2024 को सुबह राजधानी एक्सप्रेस दिल्ली से रवाना हुई। कार्यक्रम के मुख्य आयोजन कर्ता पवन - श्रीमती प्रीति गोधा, दिल्ली ने सभी तीर्थयात्रियों की मंगलमयी यात्रा की कामना की है। यात्रा के दौरान सभी यात्रियों के लिए शुद्ध व सात्विक भोजन की व्यवस्था रहेगी। जयपुर से यात्रा के मुख्य संयोजक अजय- मोना जैन ने बताया कि राजस्थान से अजमेर, भीलवाड़ा सहित कुल चार स्थानों से एक हजार से ज्यादा यात्री तीर्थराज की वंदना करने अलग अलग ट्रेनों के माध्यम से ले जाये जा रहे हैं। वापसी सभी की एक साथ दिनांक 20 अक्टूबर, 2024 को होगी।

-अजय-मोना जैन, मुख्य संयोजक

110 दिव्यांगों को सेवा दी

संभाग स्तरीय अपना घर मूक बधिर एवम दृष्टिहीन आवासीय विद्यालय में सेवा दी

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। लायंस क्लब अजमेर आस्था फाई सागर रोड स्थित गोटा कॉलोनी निवासी भामाशाह महावीर चौधरी के सहयोग से कोटडा क्षेत्र में स्थापित अपना घर मूक बधिर एवम दृष्टिबाधित संभाग स्तरीय आवासीय विद्यालय में शिक्षा के साथ संस्कार ग्रहण करने वाले 110 बच्चो की कुशल क्षेम पुछते हुए मिष्ठान युक्त स्वादिष्ठ भोजन की सेवा दी गई। क्लब अध्यक्ष लायन रूपेश राठी ने बताया कि महावीर चौधरी के पौत्र प्राही के जन्मदिन के उपलक्ष में कार्यक्रम संयोजक पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष लायन पदम चंद जैन एवम पूर्व सचिव लायन कमल चंद बाफना के संयोजन में सभी आवासीय दिव्यांग बच्चो को सम्मान के साथ मिष्ठान युक्त भोजन कराया गया। इस अवसर पर महावीर चौधरी, सम्पत जैन,सौरभ जैन, शिखी जैन, प्राही जैन आदि मोजूद रहे।

पाटनी की स्मृति में बने टिन शैड का लोकार्पण

सेठी परिवार द्वारा विद्यालय में 11 लाख के विकास कार्य व गोशाला में गायों के लिए 1लाख रुपए के गुड़ देने की घोषणा

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया। सुजानगढ़ विधानसभा क्षेत्र के निकटवर्ती गांव ईयारा में स्वर्गीय मदनलाल पाटनी सुजानगढ़ निवासी गुवाहाटी प्रवासी की पुण्य स्मृति में मलूकचंद मदनलाल पाटनी चेरिटेबल ट्रस्ट सुजानगढ़ ,गुवाहाटी के सौजन्य से सुजलांचल विकास मंच समिति के तत्वाधान में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ईयारा स्कूल परिसर में बने 18 लाख की लागत से बने भव्य टिन शैड का लोकार्पण किया गया। आनंदीलाल सेठी, बसंत कुमार पाटनी, प्रकाश जी पाटनी, खेमचंद जी बगड़ा,महावीर पाटनी,सोहन लोहमरोड, ओमनाथ सिंद्ध द्वारा फीता काटकर प्रार्थना स्थल पर बने टिन शैड का लोकार्पण किया गया। साथ ही इस साल नए प्रवेश लेने वाले 115 छात्र छात्राओं को स्कूल बैग का वितरण किया गया। कार्यक्रम में भामाशाह आनंदीलाल सेठी ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय ईयारा में 11 लाख के विकास कार्य करवाने की घोषणा की। सर्वप्रथम विधा की देवी मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का आगाज आगंतुक अतिथियों ने किया। विद्यालय की तरफ से साफे,शॉल और प्रशस्ति पत्र देकर अतिथियों का स्वागत किया।समिति के उपाध्यक्ष महावीर प्रसाद पाटनी ने आयोजक विषयक की जानकारी देते हुए बताया कि स्वर्गीय तख्त मल ,राजमल मदनलाल पाटनी की जन्मस्थली में आयोजित कार्यक्रम में स्वर्गीय पाटनी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दीन हीन असहाय जरूरतमंद की सेवा में पाटनी हर समय तत्पर रहते थे व उनके पद चिन्हों पर चलकर उनके परिवार के लोग भी समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं इसके लिए वे साधुवाद के पात्र है। भामाशाह आनंदीलाल सेठी परिवार द्वारा ईयारा गौशाला के लिए 1 लाख रुपये के गुड़ देने की घोषणा भी की गई। जिला परिषद सदस्य सोहन लोमरोड ने उपस्थित छात्र छात्राओं से कहा कि कोई भी कार्य मुश्किल नही होता उसको करने की इच्छा शक्ति मन में होनी चाहिए महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर जीवन में सफलता हासिल कर देश व समाज की कीर्ति को आगे बढ़ाना चाहिए। व पुनीत कार्य हेतु भामाशाह पाटनी व सेठी परिवार का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम के दौरान रत्न प्रभा सेठी द्वारा रचित जीवन पथ कविता संग्रह पुस्तक का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया।मंच पर छतर गंगवाल रामेश्वरलाल अग्रवाल,,राज पाटनी, उषा देवी पाटनी, प्रेमलता देवी बगड़ा,सरला देवी पाटनी ,सारिका पाटनी,निशा पांड्या,विनीत कुमार बगड़ा,सहित उषा बगड़ा उषा काला,,कल्पना गंगवाल, भी मौजूद थे। आगंतुक अतिथियों का स्वागत पंचायत समिति सदस्य भंवर सिंह ,सत्यनारायण पारीक,नानूराम प्रजापत,महावीर प्रसाद पारीक, मुकन सिंह,संग्राम लोमरोड,बाबूलाल पारीक ने किया। इस अवसर पर काफी संख्या में गांव के गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम का सफल संचालन शिक्षक संतोष कुमार शर्मा ने व आभार विद्यालय के प्रधानाचार्य ओमनाथ सिद्ध ने व्यक्त किया।

झोटवाड़ा में हुआ भव्य मंगल प्रवेश 108 मुनि श्री समत्व सागर जी एवं 108 मुनि श्री शील सागर जी महाराज का

जयपुर. शाबाश इंडिया

झोटवाड़ा में हुआ भव्य मंगल प्रवेश 108 मुनि श्री समत्व सागर जी एवं 108 मुनि श्री शील सागर जी महाराज का। अध्यक्ष धीरज कुमार पाटनी एवं मंत्री दिनेश काला ने बताया कि दिनांक 15 अक्टूबर 2024 को प्रातः 8:15 बजे गाजे बाजे के साथ श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर झोटवाड़ा में हुआ भव्य मंगल प्रवेश। मुख्य समन्वयक निर्मल पांड्या उपाध्यक्ष सुगन पापड़ीवाल, प्रमोद मुंडोता, अशोक गंगवाल, संजय काला, वीरेंद्र काला,विजय सौगानी कालू राम, दीपक ने बताया कि दिनांक-15 और 16 अक्टूबर 2024 को परम पूज्य चर्या शिरोमणि 108 आचार्य श्री विशुद्धसागर जी महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य युवा रत्न 108 मुनिश्री समत्व सागर जी एवं 108 मुनिश्री शील सागर जी महाराज ससंघ का पावन सानिध्य झोटवाड़ा जैन समाज को मिलने जा रहा है। कार्यक्रम की शुरूआत आदरणीय पंडित सनत कुमार जी ने दीप प्रज्वलित कर की गई। पूज्य गुरुदेव शील सागर जी महाराज ने बहुत ही मार्मिक भजन मंगलाचरण किया तत्पश्चात धर्म सभा में बैठे सभी साधर्मी बंधुओं को पूज्य गुरुदेव से मंगल प्रवचन सुनने का लाभ मिला। कीर्ति नगर दिगंबर जैन समाज मंत्री श्री जगदीश जैन, अतिशय क्षेत्र चंद्रगिरी बेनाड़ के अध्यक्ष श्री प्रकाश गंगवाल, राजस्थान युवा महासभा के प्रदेशाध्यक्ष श्री प्रदीप जैन, जिला अध्यक्ष श्री संजय पांड्या, कार्यवाहक अध्यक्ष श्री कमल सरावगी, श्री राजेश बड़जात्या, मंत्री श्री सुभाष बज, मंगलम सिटी से पूर्व अध्यक्ष श्री विनोद जैन, करधनी दिगंबर जैन मंदिर से मंत्री श्री निर्मल सेठी, अंबाबाड़ी दिगंबर जैन मंदिर से श्री कमलेश चांदवाड, पटेल नगर दिगंबर जैन मंदिर से श्री भागचंद काला, सुरेंद्र छाबड़ा इत्यादि बाहर से पधारे हुए समाज बंधुओ ने पूज्य गुरुदेव के श्री चरणों में श्रीफल भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंगल प्रवेश में आए हुए सभी साधर्मी बंधुओं के लिए अल्पाहार की व्यवस्था की गई। **नित्य कार्यक्रम की रूपरेखा:-**

प्रातः 8:15 बजे प्त मंगल प्रवचन
प्रातः 9:30 बजे प्त आहारचर्या
दोपहर 3:00 बजे प्त स्वाध्याय, सांय 6:30 बजे प्त शंका समाधान, आंनद यात्रा एवं आरती... रात्री 8:15 बजे प्त वैयावर्ती..
झोटवाड़ा जैन समाज के धर्मावलंबियों ने कार्यक्रमो में सम्मिलित होकर धर्मलाभ अर्जित किया।

गोविंद सिंह खटोड़ अध्यक्ष पदम चंद जैन महामंत्री के पद पर निर्वाचित

अखिल भारतीय खटोड़ ओसवाल सेवा समिति के पदाधिकारियों का चयन

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। अखिल भारतीय खटोड़ ओसवाल सेवा समिति की साधारण सभा सती माता जी के स्थान सथाना पर आयोजित की गई जिसमें देश भर से आए खटोड़ बंधुओ ने सती माता जी के दर्शन,वंदन एवं आशीर्वाद प्राप्त कर भाव में अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त किया। साधारण सभा में अध्यक्ष गोविंद सिंह खटोड़ ने सभी पधारे हुए खटोड़ बंधुओ का स्वागत अभिनंदन करते हुए

स्वागत ज्ञापित किया पदमचंद खटोड़ ने पिछले 6 माह का हिसाब प्रस्तुत करते हुए आगामी कार्य योजना पर प्रकाश डाला एवं सभी ने गोत्री भाईयो के बीच आपसी सहयोग एवं समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया। संस्था के आगामी 3 वर्षों हेतु सर्वसम्मति से पदाधिकारीयो का चयन किया गया जिसमें जीवराज खटोड़ अजमेर को संरक्षक,भीलवाड़ा निवासी गोविंद सिंह खटोड़ को अध्यक्ष, पदमचंद जैन खटोड़ को महामंत्री, दिनेश खटोड़ को कोषाध्यक्ष के पद हेतु चयन किया गया उपाध्यक्ष पद हेतु उदय लाल खटोड़ भदेसर, पुखराज खटोड़ कराटी, अविनाश खमेसरा खटोड़ भीलवाड़ा/बैंगलोर, सहमंत्री संपत राज खटोड़ सरेड़ी, संयोजक संगठन चांदमल खटोड़ थांवला, मुख्य सलाहकार अमरचंद खटोड़ सरेड़ी, कमलचंद खटोड चेन्नई रहे, इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी सदस्यों का चयन भी किया गया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष गोविंद सिंह खटोड़ ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए सभी से सहयोग की भावना रखी व आगामी चैत्र सुदी छठ को सभी को अपने बंधु बंधुओ सहित पधारने का निवेदन किया गया ।समिति की ओर से पधारे हुए सभी स्वजनों की भोजन प्रसादी की व्यवस्था की गई।

दिगम्बर जैन पल्लीवाल मंदिर (शक्ति नगर) जयपुर में किया शांति विधान

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री 1008 श्री चन्द्रप्रभु दिगम्बर जैन पल्लीवाल मंदिर (शक्ति नगर) जयपुर दिनांक 15 अक्टूबर 2024 को शांति विधान बड़े ही उत्साह से किया गया। दीप प्रज्वलन और विधान कराने का सौभाग्य श्रीमती सुनीता अजमेरा व उनकी पुत्र वधु गरिमा अजमेरा को प्राप्त हुआ विधान मीनू गगंवाल,अकिंता बिलाला, रमिता, मीतू, मोनिका, निधि, नीतू, नेहा, द्वारा बड़ी ही भक्ति भाव से सम्पन्न कराया गया।

जैन भवन काठमांडू में सप्तदिवसीय भक्तामर स्तोत्र मंत्र साधना अनुष्ठान का भव्य रूप से समापन

काठमांडू, नेपाल. शाबाश इंडिया

युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण के प्रबुद्ध सुशिष्य मुनि श्री रमेश कुमार जी मुनि रत्न कुमार जी के पावन सान्निध्य में तेरापंथ सभा काठमाण्डौ के तत्वावधान में आयोजित सप्तदिवसीय भक्तामर स्तोत्र मंत्र साधना अनुष्ठान का भव्य रूप से समापन हुआ। मुनि श्री रमेश कुमार जी ने सात दिन तक इस अनुष्ठान को व्यवस्थित रूप से कराया। काठमांडू नेपाल में इस तरह का पहली बार हुआ। सहभागी सभी भाई बहनों को तो अच्छा लगा ही समाज में हर जगह इस अनुष्ठान की प्रशंसा की जा रही है। जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभाध्यक्ष सुभागमल जम्मड ने तेरापंथ सभा परिवार की ओर से सभी को बधाई देते हुए संतों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। अनुष्ठान के संयोजक पवन जी सेठिया ने सभी के सहयोग के लिए आभार ज्ञापित किया। सभी सहभागियों से लिखित में अनुभव भी लिये गये। कुछ भाई बहनों ने संक्षिप्त में अपनी भावनाए व्यक्त की। यह जानकारी श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर कमेटी एवं सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था नेपाल शाखा के अध्यक्ष सुभाष जैन सेठी ने दी।

आगरा रोड पर डांडिया कार्यक्रम आयोजित

जयपुर. कासं। गोवर्धनम फिनसर्व की ओर से गोल्डन वैली गार्डन, आगरा रोड पर डांडिया कार्यक्रम आयोजित किया गया। मां दुर्गा की प्रतिमा की आरती कर कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सबसे बड़ा तेरा नाम ओ शेरोंवालीङ्ख गाने के साथ लोगों ने डांडिया रास पर झूमना शुरू किया। इसके बाद तारे गिन-गिन रात में तेरी मैं तो जागा राता नूंङ्ख समेत कई गानों पर जमकर झूमे। डीजे फ्लोर पर कपल डांस प्रतियोगिता के आयोजन में कई कपल्स ने ताल से ताल मिला कर अपना जौहर दिखाया। वहीं ग्रुप ए, बी व सी में बेस्ट डांस प्रतियोगिता, फैशन शो के आयोजन में लोगों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

जायन्टस ग्रुप ऑफ जोधपुर द्वारा गायों को खिलाई लापसी

दो स्टील की टेबल किए गौशाला में भेट

आयुष पाटनी. शाबाश इंडिया

जोधपुर । जायन्टस ग्रुप ऑफ जोधपुर के सदस्य राहुल धारीवाल ने बताया की राजस्थान प्रभारी देवेंद्र गेलड़ा की उपस्थिति में जोधपुर ग्रुप के अध्यक्ष ओम जैन के द्वारा ओसवाल सिंह सभा गौशाला में उनके पिता पूसा लालसा श्री श्रीमाल की 42 सी पुण्यतिथि मैं गौ माता को पौष्टिक स्वास्थ्यवर्धक 200 किलो मेवा लापसी का भोजन कराया गया। इसके साथ दो स्टेनलेस स्टील की टेबल भोजन करने के लिए भेंट की गई ,पक्षियों को चुग्गा कराया गया जायंट्स ग्रुप जोधपुर की सदस्य द्वारा ₹5000 जीव दया के लिए वहां पर दिए गए । फेडरेशन ऑफिसर कुसुम ओम जैन द्वारा वहां पर 4100 रुपए जीव दया में दिए गए । इस कार्यक्रम में यूनिट डायरेक्टर अशोक मेहता, फेडरेशन ऑफिसर अशोक जौहरी, आनंद मूंदड़ा, राजेश खंडेलवाल,पीडी गुप्ता ,प्रेमचंद श्रीश्रीमाल, पीयूष मेहता,गौरव संचेती, मंजू ,दीपिका श्रीश्रीमाल,कंचन संचेती, किरण, कीर्ति ,नूपुर छाजेड़ व परिवार के अन्य सदस्य भी मौजूद रहे।

उड़ान स्कूल ने आर्मी दिवाली मेले में लगाई प्रदर्शनी

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

नसीराबाद । छावनी परिषद द्वारा संचालित उड़ान स्कूल की ओर से रविवार को आर्मी दिवाली मेले में प्रदर्शनी लगाई गई। उड़ान स्कूल के प्राचार्य डॉ रवि पथरिया ने बताया की उड़ान स्कूल में अध्यनरत बच्चों द्वारा दीपक, गुल्लक, करवा, अगरबत्ती स्टैंड में मिट्टी से बनी अन्य वस्तुओं पर रंग रोगन करके सुंदर बनाया गया है व इन सामानों की प्रदर्शनी आर्मी दिवाली मेले में लगाई गई। प्रदर्शनी में बच्चों के साथ अभिभावकों व स्टाफ ने भी भाग लिया। प्रदर्शनी के दौरान प्रभारी सतीश कुमार, स्पीच थैरेपिस्ट भारतीय नागवान व विशेष शिक्षक पांचूलाल सहित अन्य स्टाफ उपस्थित था। प्रदर्शनी एम-3 में भाग लेने पर सैन्य अधिकारियों ने उड़ान स्कूल के बच्चों की सहायता की।

आदिनाथ मित्र मंडल ने श्रमण संस्कृति संस्थान में छात्रों को भोजन करवाया

अश्वनी मधु जैन गोधा ने छात्रों के अध्ययन हेतु रुपए 5 लाख के सहयोग की घोषणा की

जयपुर. शाबाश इंडिया

सांगानेर स्थित श्रमण संस्कृति संस्थान में छात्रों को आदिनाथ मित्र मंडल द्वारा भोजन करवाया गया। अध्यक्ष सुनील जैन तथा मंत्री राजेंद्र बाकलीवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम में नेमी सागर कॉलोनी निवासी श्रावको ने भी उपस्थित होकर छात्रों को भोजन करवाया । संरक्षक राकेश गोदिका ने बताया कि इस अवसर पर श्रेष्ठी अश्वनी - मधु जैन ने संस्थान की व्यवस्थाओं से प्रभावित होकर 5लाख रुपए की सहयोग राशि की घोषणा की। उल्लेखनीय हैं कि आदिनाथ मित्र मंडल द्वारा प्रति वर्ष भाद्रपद मास के पश्चात संस्थान के छात्रों को भोजन करवाया जाता है।

गुवाहाटी से आए तीर्थयात्रियों का स्वागत झुमरीतिलैया जैन समाज ने किया

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया

रेहाबाड़ी यात्रा संघ, गुवाहाटी से आये जैन तीर्थयात्रियों का स्वागत श्री दिगंबर जैन समाज झुमरीतिलैया के पूर्व मंत्री ललित कुमार सेठी के द्वारा किया गया। ज्ञात हो की 51 तीर्थयात्री गुवाहाटी से चलकर कानकी,चम्पापुर, राजगीर, पावापुरी, कुंडलपुर होते हुए कोडरमा पहुंचे जहां पर समाज के लोगों ने संघपति प्रदीप गोधा तथा ज्ञानचंद-निशा काला सहित सभी तीर्थयात्रियों को माला दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया और समाज के सुबोध गंगवाल ने स्वागत गीत गाकर सभी यात्रियों का अभिवादन किया इस अवसर पर समाज के पूर्व मंत्री ललित सेठी,सुरेश झांझरी,सुशील छाबड़ा,उप मंत्री नरेंद्र झांझरी,सह मंत्री राज छाबड़ा कोषाध्यक्ष सुरेंद्र काला ने आगंतुकों के स्वागत में कहा कि हमारा सौभाग्य कि हम सभी को पंच तीर्थ यात्रा करते हुए तीर्थराज सम्मेदशिखर जी जाने के क्रम यात्रियों का स्वागत करने का सौभाग्य मिल जाता है साथ ही ललित सेठी,संदीप सेठी,आशीष सेठी, ओर महिला समाज की अध्यक्षा नीलम सेठी ने संयुक्त रूप से कहा की पंच तीर्थ की यात्रा करना बहुत ही पुण्यदायी होता है और उस यात्रा

में भी सम्मेदशिखर की यात्रा करने का सौभाग्य महाभाग्यशाली जीव को ही मिलता है क्योंकि सम्मेदशिखर जी की यात्रा बिना योग एवं संजोग के नहीं हो सकती है। सभी यात्रियों को बधाई देते हुए कहा आप की सम्मेदशिखर जी की यात्रा निर्विघ्न हो सभी दर्शन का लाभ मिले। यात्रा में विशेष रूप से संघपति प्रदीप गोधा, सुभाष बड़जात्या,मनोज रावका,रामचंद सेठी, धर्मचंद पांड्या, ज्ञानचंद काला, निशा काला,अहिंसा जैन महिला समाज की, मंजू गोधा, सरला बड़जात्या, सुनीता रारा,डिमापुर से आई प्रेमलता जैन इस यात्रा में शामिल थी ।कोडरमा मीडिया प्रभारी राज कुमार जैन अजमेरा,नवीन जैन ने भी सभी यात्री को शुभकामनाएं दी।

एपीजे अब्दुल कलाम: नए भारत के युवाओं के लिए एक प्रेरणा

कलाम ने हमेशा अपने दमदार भाषणों के माध्यम से युवा पीढ़ी को प्रेरित करने का प्रयास किया था। दरअसल, उनके कुछ फैसले भी उनके अपने युवा जुनून का ही नतीजा रहे हैं। उदाहरण के लिए, भारत के राष्ट्रपति के रूप में एक आरामदायक जीवन नहीं जीने और छात्रों, युवा पीढ़ी को पढ़ाने और अपना ज्ञान प्रदान करने का बहुत महत्त्वाकांक्षी उद्यम करने का उनका निर्णय स्पष्ट रूप से एक युवा कार्य था। डॉ कलाम के पास पवित्र पुस्तक कुरान और भगवद गीता को समान रूप से पढ़ने का कौशल था। व्यक्ति के दृष्टिकोण से, डॉ कलाम शांतिप्रिय व्यक्ति थे। वह शास्त्रीय संगीत से प्यार करते थे और वीणा को अत्यंत शिष्टता के साथ बजाते थे। वह तमिल कविताएँ लिखते थे जो पाठक को आकर्षित करने के लिए प्रसिद्ध थीं। मानो इतना ही काफी नहीं था, डॉ. कलाम एक उत्साही पाठक भी थे।

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम बहुमुखी प्रतिभा के व्यक्ति थे। वह राष्ट्रपति के कार्यालय में लाए गए अच्छे स्वभाव के लिए जाने जाते है, वे एक लेखक और प्रेरक वक्ता, तमिल में एक कवि, एक शौकिया संगीतकार और बहुश्रुत थे। हालांकि, सबसे बढ़कर, वे आविष्कार, अनुकूलन और प्रशासन के लिए एक स्वभाव के साथ एक वैज्ञानिक थे-ऐसे गुण जिन्होंने उन्हें राष्ट्रीय कल्पना की अग्रिम पंक्ति के लिए प्रेरित किया, जब उन्होंने अपने अधिकांश पेशेवर जीवन को भारत को आसमान तक पहुँचाने में मदद करने के लिए रॉकेटरी को समर्पित किया। कलाम 2002 से 2007 तक भारत के 11वें राष्ट्रपति थे। डॉ कलाम ने मद्रास इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से स्नातक करने के बाद डीआरडीओ में अपना करियर शुरू किया। वह रक्षा अनुसंधान और विकास सेवा (डीआरडीएस) के सदस्य बनने के बाद एक वैज्ञानिक के रूप में रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई) में शामिल हो गए। कलाम ने जाहिर तौर पर डीआरडीओ में एक छोटा होवरक्राफ्ट डिजाइन करके अपने करियर की शुरूआत की थी। 1965 में, कलाम ने स्वतंत्र रूप से संस्थान में एक विस्तार योग्य रॉकेट परियोजना पर काम शुरू किया और 1969 में उन्होंने सरकार की मंजूरी प्राप्त की और अधिक इंजीनियरों को शामिल करने के लिए कार्यक्रम का विस्तार किया। डीआरडीओ में अपने कार्यकाल के दौरान, कलाम ने प्रोजेक्ट डेविल और प्रोजेक्ट वैलेंट नामक दो परियोजनाओं का निर्देशन किया, जिसका उद्देश्य एसएलवी कार्यक्रम की तकनीक से बैलिस्टिक मिसाइल विकसित करना था। कलाम ने एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम के तहत अग्नि और पृथ्वी जैसी मिसाइलों को विकसित करने में भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके वे मुख्य कार्यकारी अधिकारी थे। कलाम को पोखरण-द्वितीय परमाणु परीक्षणों में एक प्रमुख भूमिका निभाने का भी श्रेय दिया जाता है, जो जुलाई 1992 से दिसम्बर 1999 तक प्रधान मंत्री के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार और रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन के सचिव के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान किए गए थे। डॉ कलाम भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान समिति (आईएनसीओएसपीएआर) का हिस्सा थे, जिसे भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम के पिता डॉ विक्रम साराभाई द्वारा स्थापित किया गया था। रॉकेट इंजीनियरों की टीम, जिसमें कलाम एक हिस्सा थे, ने थुम्बा इक्वेटोरियल रॉकेट लॉन्चिंग स्टेशन की स्थापना की, जिसका उपयोग आज भी इसरो द्वारा परिज्ञापी रॉकेट लॉन्च करने के लिए किया जाता है। कलाम भारत के पहले सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल के परियोजना निदेशक भी थे, जिसने रोहिणी उपग्रह को पृथ्वी की कक्षा में सफलतापूर्वक तैनात किया था। कलाम ने पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल के विकास में भी अहम भूमिका निभाई है। कलाम ने हमेशा अपने दमदार भाषणों के माध्यम से युवा पीढ़ी को प्रेरित करने का प्रयास किया था। दरअसल, उनके कुछ फैसले भी उनके अपने युवा जुनून का ही नतीजा रहे हैं। उदाहरण के लिए, भारत के राष्ट्रपति के रूप में एक आरामदायक जीवन नहीं जीने और छात्रों, युवा पीढ़ी को पढ़ाने और अपना ज्ञान प्रदान करने का बहुत महत्त्वाकांक्षी उद्यम करने का उनका निर्णय स्पष्ट रूप से एक युवा कार्य था। डॉ कलाम के पास पवित्र पुस्तक कुरान और भगवद गीता को समान रूप से पढ़ने का कौशल था। व्यक्ति के दृष्टिकोण से, डॉ कलाम शांतिप्रिय व्यक्ति थे। वह शास्त्रीय संगीत से प्यार करते थे और वीणा को अत्यंत शिष्टता के साथ बजाते थे। वह तमिल कविताएँ लिखते थे जो पाठक को आकर्षित करने के लिए प्रसिद्ध थीं। मानो इतना ही काफी नहीं था, डॉ. कलाम एक उत्साही पाठक भी थे। उन्होंने इंडिया 2020: ए विजन फॉर द न्यू मिलेनियम, विंग्स ऑफ फायर, इग्नाइटेड माइंड्स: अनलीशिंग द पावर इन इंडिया, ट्रांसेंडेंस: माई स्पिरिचुअल एक्सपीरियंस विद प्रमुख स्वामीजी, ए मेनिफेस्टो फॉर चेंज: ए सीक्वल टू इंडिया 2020 जैसी कई किताबें भी लिखीं। उनके चेहरे पर अक्सर एक स्कूली शिक्षक की तरह एक कठोर अभिव्यक्ति होती थी। एसअलवी-3 की सफलता ने उन्हें 1981 में पद्म भूषण दिलाया; 1990 में डीआरडीओ, पद्म विभूषण में उत्कृष्टता; और अंततः 1997 में भारत रत्न। कलाम का मानना था कि शासन में प्रवेश करने वाले युवा अधिकारियों को एक दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित करना होता है जिसके लिए उन्हें याद किया जाएगा। यह लक्ष्य उन्हें उनके करियर के दौरान हर समय प्रेरित करेगा और सभी समस्याओं को दूर करने में उनकी मदद करेगा। हमारे देश के युवा नौकरशाहों को यह याद रखना चाहिए कि जब वे कठिन मिशन करते हैं, तो समस्याएँ आती हैं, लेकिन हमें समस्याओं को हराना है और सफल होना है। यदि एक सिविल सेवक का काम राष्ट्र को सुशासन प्रदान करना है, तो इस उद्देश्य को कैसे प्राप्त किया जा सकता है? कलाम के अनुसार, शासन का आकलन इस बात से किया जाता है कि यह लोगों की जरूरतों के प्रति कितना सक्रिय और उत्तरदायी है। शासन को लोगों को नैतिक रूप से ईमानदार, बौद्धिक रूप से श्रेष्ठ और उच्च गुणवत्ता वाला जीवन जीने में मदद करनी चाहिए। यह ज्ञान के अधिग्रहण और संवर्धन के माध्यम से संभव है।

प्रियंका सौरभ
रिसर्च स्कॉलर इन पोलिटिकल साइंस, कवयित्री, स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार।